GOVERNMENT OF KARNATAKA

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD

6th CROSS MALLESHWARAM BENGALURU - 560003

2025-26 II PUC MODEL QUESTION PAPER - 2

SUBJECT: HINDI (03) **MAXIMUM MARKS : 80**

TIME: 3.00 HOURS **NUMBER OF QUESTIONS:42**

सूचना:

1) सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखना आवश्यक है।

2) प्रश्नों की क्रम संख्या लिखना अनिवार्य है।

3) प्रश्न पत्र 'क', 'ख', 'ग', 'घ' इन चार खण्डों में विभाजित है।

4) खण्ड 'क' के प्रश्न संख्या 1 से 16 तक के प्रश्नों का उत्तर, जो पहली बार लिखा गया हो, उन्हीं उत्तरों का मूल्यांकन किया जाएगा।

खण्ड - 'क'

I. अ) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए: **10×1=10**

1. 'धर्म के काम में मीन - मेष निकालना अच्छा नहीं' प्रस्तुत वाक्य किसने कहा ?

   i) बुलाकी ने ii) भोला ने iii) शंकर ने iv) सुजान ने

2. अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के दो मंजिल के मकान में ऊपर के मंजिल में रहते थे -

   i) माता और पिता ii) माता अपने बच्चों के साथ iii) सिर्फ पिताजी iv) पिताजी अपने बच्चों के साथ

3. विश्वेश्वरय्या ने इंजीनियरिंग शिक्षा इस विश्वविद्यालय से प्राप्त की -

   i) मैसूर विश्वविद्यालय ii) बैंगलोर विश्वविद्यालय iii) बम्बई विश्वविद्यालय iv) मद्रास विश्वविद्यालय

4. ममता कालिया अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में भाग लेने इस ईसवी में गई थीं -

   i) ई. 2020 ii) ई. 2015 iii) ई. 2010 iv) ई. 2005

5. 'गहने' कविता के अनुवादक हैं -

   i) डॉ. एम. कमला ii) डॉ. एन. विमला iii) डॉ. एम. विमला iv) डॉ. एन. कमला

6. 'चीफ़ की दावत' कहानी में मिस्टर शामनाथ का चित्रण इस प्रकार किया गया है --

   i) मज़ेदार ii) स्वार्थी iii) दिलदार iv) कंजूस

7. राम- कृष्ण की जन्म भूमि मन में क्या भरती है ?

   i) मुद - मंगल ii) मृदु - मंगल iii) कीर्ति iv) वीरता

8. सारे फर्नीचर और सामान को बाहर इसने फेंक दिया -

   i) बेला ने ii) मँझली बहू ने iii) रजवा ने iv) मालवी ने

9. 'सूखी डाली' के एकांकीकार का नाम है -

   i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) जगदीशचंद्र माथुर iii) मोहन राकेश iv) उपेंद्रनाथ 'अश्क'

10 'वृद्ध जनों के लिए ये बाधाएँ नहीं|' 'सुजान भगत' कहानी के आधार पर प्रस्तुत वाक्य में लेखक कह रहे हैं कि -

i) वृद्ध जनों के लिए कोई बाधा ही नहीं है |

ii) वृद्ध जनों की उपेक्षा की गयी है |

iii) वृद्ध जनों के लिए नौजवानों की-सी व्यस्तताएँ नहीं हैं।

iv) वृद्ध जनों को करने के लिए कोई काम ही नहीं है।

आ) कोष्ठक में दिए गए उचित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए: **5×1=5**

(पावन, समय, पौरुष, अकेलापन, भला, विज्ञान,)

11. आज का युग ..... का युग है।
12. चेहरे पर गहरा अवसाद और ..... है।
13. वह सरस्वती देवी का..... मंदिर है।
14. देखने वाले भगत का ..... देखकर चकित रह गये।
15. ..... परिवर्तनशील है।

इ) निम्नलिखित मुहावरों को अर्थ के साथ जोड़कर लिखिए : **5×1=5**

16.	a) आसमान सिर पर उठाना	i) बेकार बैठना
	b) आग उगलना	ii) काम बिगड़ जाना
	c) गुड़ गोबर होना	iii) गुस्सा करना
	d) दाल न गलना	iv) अहं उतारना
	e) मक्खी मारना	v) सफल न होना
		vi) बहुत शोर करना

खण्ड – ' ख '

II. अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2×3=6**

17. झूठ की उत्पत्ति और उसके कई रूपों के बारे में लिखिए |
18. मन्नू भंडारी की माँ का परिचय दीजिए |
19. 'कृष्णराज सागर' बाँध के बारे में लिखिए।
20. शामनाथ और उनकी धर्मपत्नी माँ को लेकर क्यों चिंतित थे ?

आ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए : **2×3=6**

21. 'क्रोधी तो सदा के हैं, अब किसी की सुनेंगे थोड़े ही।'
22. 'बेटा, कारण अलग - अलग बताते हैं पर असली झगड़ा कुर्सी का है |'
23. 'इन पाँच दिनों में मैंने सारा ब्रह्माण्ड छान डाला, पर उसका कहीं पता नहीं चला |'
24. 'ऐसा करो कागज़ में लपेट कर अटैची में एक तरफ़ रख दो, इनडोर प्लांट है, आठ - दस घंटे जीवित रह जाएगा |'

III अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : **1x3=3**

25. रैदास ने किस प्रकार के राज्य की अपेक्षा की है ?
26. अहंकार के संबंध में रहीम के विचार व्यक्त कीजिए |

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : **1× 3=3**

27. 'हो गई है पीर पर्वत सी' गज़ल का सारांश संक्षेप में लिखिए |

28. कवि नरेंद्र शर्मा ने प्रतिहिंसा और कायरता के संबंध में क्या कहा है ?

29. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता के आधार पर वृक्ष की महत्ता पर प्रकाश डालिए |

इ) ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए : **2×3=6**

30. जमुना तट देखे नँद नंदन |
मोर - मुकुट मकराकृत - कुंडल, पीत - बसन तन चंदन |
लोचन तृप्त भए दरसन तैं उर की तपनि बुझानी॥

अथवा

अधर - धरत हरि कैं परत, ओंठ - डीठि-पट-जोति |
हरित बाँस की बाँसुरी, इंद्र धनुष - रंग होति॥

31. वे नीलम से मेघ, नहीं -
जिनको है घुल जाने की चाह ,
वह अनन्त ऋतुराज, नहीं -
जिसने देखी, जाने की राह !

अथवा

राजस्थान चलो तो सुन लो, राणा की हुंकार यहाँ |
हल्दी घाटी के चट्टानों पर खनकी तलवार जहाँ ,
स्वाभिमान से ऊँचे मस्तक, झुके नहीं, कट सकते हैं |

खण्ड - ' ग '

IV. अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए: **1×5=5**

32. बेला की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए |

अथवा

कर्मचन्द ने पेड़ से एक डाली टूटकर अलग होने की बात क्यों कही ?

आ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए: **1× 4=4**

33. भारवि अपने पिता से क्यों बदला लेना चाहता था ?

अथवा

'अहंकार उन्नति में बाधक है।' 'प्रतिशोध' एकांकी के आधार पर श्रीधर के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - ' घ '

V. अ) वाक्य शुद्ध कीजिए: **1× 3=3**

34. i. उसने मुझे पुस्तक दिया।
ii. एकता में बड़ा शक्ति है।
iii. मैं आप पर इज्ज़त करता हूँ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों को सूचनानुसार बदलिए : **1× 3 =3**

35. i) हम पर्यावरण की रक्षा करते हैं।(भविष्यत् काल में बदलिए)
ii) मुझे डर लग रहा था। (वर्तमान काल में बदलिए)
iii) आत्मानंद देश की सेवा करता है। (भूतकाल में बदलिए)

इ) अन्य लिंग रुप लिखिए: **1× 3=3**

36. i) तपस्वी ii) पण्डिताइन iii) अभिनेता

ई) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए : **1× 3 =3**

37. i) उपकार को मानने वाला
ii) रोगी का इलाज करने वाला
iii) आँखों के सामने होने वाला

उ) निम्नलिखित शब्दों के साथ उपसर्ग जोड़कर नए शब्दों का निर्माण कीजिए: **1× 2=2**

38. i) विश्वास ii) चालन

ऊ) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए : **1× 2=2**

39. i) कठिनाई ii) महत्वपूर्ण

VI.अ) निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **1x 4 = 4**

40) भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी ऊपर का स्थान दिया गया है — "गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।" यह दोहा केवल शब्द नहीं, बल्कि उस भाव का प्रतीक है जिसमें गुरु को जीवन का मार्गदर्शक माना गया है। गुरु वह दीप है जो अज्ञान के अंधकार में ज्ञान की ज्योति जलाता है। गुरु केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह शिष्य के व्यक्तित्व को गढ़ने वाला शिल्पकार होता है। वह न केवल ज्ञान देता है, बल्कि सोचने की दिशा, जीने की दृष्टि और संघर्ष करने की शक्ति भी देता है। एक सच्चा गुरु शिष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानता है और उन्हें निखारता है।

मेरे जीवन में भी ऐसे गुरु रहे हैं जिन्होंने केवल विषय नहीं सिखाया, बल्कि जीवन के मूल्य दिए — जैसे धैर्य, करुणा, आत्मविश्वास और सत्य के प्रति निष्ठा। उनकी वाणी में केवल शब्द नहीं, अनुभवों की गहराई होती थी। वे हर प्रश्न का उत्तर नहीं देते थे, बल्कि सोचने की प्रेरणा देते थे।

साहित्य में गुरु की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। संस्कृत में "गुरु-शिष्य परंपरा" का वर्णन उपनिषदों से लेकर आधुनिक साहित्य तक मिलता है। रामायण में विश्वामित्र, महाभारत में द्रोणाचार्य, और संत साहित्य में रामानंद, तुकाराम, ज्ञानेश्वर — सभी ने गुरु को आत्मा के जागरण का माध्यम माना है। हिंदी साहित्य में भी गुरु को जीवन-दर्शन का वाहक माना गया है। गुरु केवल एक व्यक्ति नहीं, एक अनुभव है — जो जीवन भर हमारे भीतर जीवित रहता है। वह हमारे विचारों में, हमारे निर्णयों में, और हमारी संवेदनाओं में बसता है। गुरु का महत्व केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, वह जीवन की हर दिशा में प्रकाश देता है। इसलिए, गुरु को स्मरण करना केवल परंपरा नहीं, कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

प्रश्न :

i) भारतीय संस्कृति में गुरु को किससे ऊपर का स्थान दिया गया है ?

ii) किसे जीवन का मार्गदर्शक माना गया है?

iii) गुरु की वाणी में किसकी गहराई होती है?

iv) गुरु को किसका माध्यम माना गया है?

आ. निबंध लिखिए: **1x4=4**

41) मोबाइल फोन: लाभ और हानि।

अथवा

चरित्र प्रमाण - प्राप्त करने हेतु अपने महाविद्यालय के प्राचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए।

इ) हिंदी में अनुवाद कीजिए : **1x3=3**

42. i) ಗೌತಮ ಬುದ್ಧನಿಂದ ಬೌದ್ಧಧರ್ಮವು ಸ್ಥಾಪಿತವಾಯಿತು.

Buddhism was founded by Gautam Buddha.

ii) ಭಾರತ ದೇಶವು ಕೃಷಿ ಪ್ರಧಾನ ದೇಶವಾಗಿದೆ.

India is an agricultural country.

iii) ದೇಶಭಕ್ತರನ್ನು ಸದಾ ಗೌರವಿಸ ಬೇಕು.

Always give respect to patriots.

*****